व्याकरण वृक्ष –4

उत्तर पुस्तिका

Harbour Press®
INTERNATIONAL

1 भाषा और व्याकरण

[Language and Grammar]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. मन के भावों को दूसरों तक पहुँचाने और ग्रहण करने का साधन भाषा है। इसके दो रूप होते हैं– मौखिक और लिखित।

2. भाषा को लिखने के लिए निर्धारित किए गए चिह्न लिपि कहलाते हैं।

3. भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

ख. 1. मौखिक, 2. हिंदी, 3. लिखी, 4. देवनागरी

ग.

	भाषा	लिपि
1.	उर्दू	फ़ारसी
2.	अंग्रेज़ी	रोमन
3.	पंजाबी	गुरुमुखी
4.	हिंदी	देवनागरी
5.	संस्कृत	देवनागरी

घ. 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

ङ.

1. ओडिया	अ. पश्चिम बंगाल
2. तमिल	ब. पंजाब
3. मराठी	स. तमिलनाडु
4. बांग्ला	द. महाराष्ट्र
5. पंजाबी	य. ओडिशा

च. 1. द. 2. अ. 3. ब.

छ.

	प्रदेश	भाषा
1.	गुजरात	गुजराती
2.	तमिलनाडु	तमिल
3.	केरल	मलयालम
4.	कर्नाटक	कन्नड़
5.	पंजाब	पंजाबी

ज. 1. कन्नड़ 2. पंजाबी 3. संस्कृत 4. असमिया 5. अंग्रेज़ी

2 वर्ण विचार

[Phonology]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं।

2. वर्ण के दो भेद होते हैं– 1. स्वर 2. व्यंजन।

3. एक से अधिक व्यंजनों से मिलकर बनने वाले व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।

4. जब किसी शब्द में एक ही व्यंजन एक से अधिक बार आए तो उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं; जैसे– बच्चा, कच्चा आदि।

ख. 1. फूल 2. कौन 3. देश 4. नरेश 5. ऊन

ग. 1. म् + अ + ह् + अ + ल् + अ

2. म् + अ + ह् + ए + श् + अ
3. ग् + उ + र् + उ
4. च् + इ + ड् + इ + य् + आ

घ. 1. मात्रा 2. संयुक्त व्यंजन
3. 11 4. 35

ङ. 1. मंदिर 2. पंख 3. साँप
4. संतरा 5. दाँत

च. 1. बादल 2. किला
3. कौआ 4. चुहिया
5. कछुआ 6. शेर

छ. 1. स. 2. अ. 3. अ.

ज. इ (ि) – सिर, किला, दिन
ई (ी) – तीन, पीला, चील
उ (ु) – गुलाब, गुब्बारा, दुख
ऊ (ू) – भूखा, भूरा, दूध
ए (े) – मेला, मेवा, केला
ऐ (ै) – बैठक, ऐनक, ऐतिहासिक
ओ (ो) – ओस, ओखली, ओला
औ (ौ) – औरत, औलाद, और

3 शब्द
[Word]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से जब कोई अर्थ निकलता है, तो वर्णों के ऐसे मेल को शब्द कहते हैं।
2. जिन शब्दों का कोई न कोई अर्थ निकलता है, उन्हें सार्थक शब्द कहते हैं।
जैसे– चाँद, बादल, रोटी आदि।
3. जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता है, उन्हें निरर्थक शब्द कहते हैं।
जैसे– वाय, वाना आदि।

ख. 1. ✓ 2. ✗
3. ✓ 4. ✗

ग. 1. **सार्थक शब्द** – दाल, रोटी, पानी, गाना, कपड़ा, बोरी।
2. **निरर्थक शब्द** – वाल, वोटी, वानी, वाना, वपड़ा, वोरी।

घ.

	सार्थक		**निरर्थक**
1.	ठंडा	–	वंडा
2.	पकौड़े	–	वकौड़े
3.	माला	–	वाला
4.	खरीदना	–	वरीदना

ङ. 1. क + ल + श = कलश
2. स + पे + रा = सपेरा
3. पे + ड़ = पेड़
4. म + छ + ली = मछली

च. 1. कलम 2. किताब
3. मकान 4. सूरज

छ. पानी → नीम → मनका → कार → रथ → थल।
दौड़ना → नाक → कलम → मकान → नग → गमला।

ज. 1. द.
2. अ.
3. ब.

4 वाक्य
[Sentence]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. शब्दों के क्रमबद्ध सार्थक मेल को जिससे अर्थ स्पष्ट हो जाए, उसे वाक्य कहते हैं।
जैसे– नेहा पढ़ती है।

2. **उद्देश्य**–वाक्य में जिसके बारे में बात कही जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं।
विधेय–उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए, वह विधेय कहलाता है।

ख.

	उद्देश्य		**विधेय**
2.	पूजा	–	गीत गाती है।
3.	धरती	–	गोल है।
4.	आम	–	मीठा है।

ग. 1. मेरी माँ बहुत अच्छी है।
2. माली पौधों को पानी देता है।
3. गुलाब का फूल सुंदर लगता है।

घ. 1. ब. 2. अ. 3. स.

5 संज्ञा
[Noun]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान और भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।
जैसे– राम, दिल्ली, बचपन, कुतुबमीनार आदि।

2. संज्ञा के सामान्य रूप से तीन भेद होते हैं।
1. व्यक्तिवाचक संज्ञा,
2. जातिवाचक संज्ञा,
3. भाववाचक संज्ञा।

ख. 2. मोर, 3. आगरा, 4. कड़वाहट, 5. देष्ठा, 6. लखनऊ।

ग.

1. 3	2. 7
3. 7	4. 3

घ.

	व्यक्तिवाचक संज्ञा	**जातिवाचक संज्ञा**
2.	भारत	देश
3.	केशव	लड़का
4.	माधव	विद्यालय
5.	रमन	पुस्तक

ङ. 1. लालकिला, कुतुबमीनार, ताजमहल, हवामहल
2. दिल्ली, मुंबई, पटना, आगरा
3. गाय, भैंस
4. शेर, चीता
5. राम, मोहन, श्याम, गोपाल
6. गंगा, यमुना, गोमती, कावेरी
7. नरेंद्र मोदी
8. अरविंद केजरीवाल
9. रामनाथ कोविंद
10. विराट कोहली

च.

1. अ.	2. ब.
3. स.	4. द.

छ. विद्यार्थी स्वयं करें।

ज. विद्यार्थी स्वयं करें।

6 लिंग
[Gender]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।

2. लिंग के दो भेद होते हैं– 1. पुल्लिंग, 2. स्त्रीलिंग।

ख.

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
कुत्ता	–	कुतिया
शेर	–	शेरनी
पुरुष	–	स्त्री
चूहा	–	चुहिया
चाचा	–	चाची
पुजारी	–	पुजारिन
कवि	–	कवयित्री

ग. 2. नाना जी कहानी सुना रहे हैं।

3. माता जी बैठी हैं।

4. लेखक लिख रहा है।

5. शेरनी दहाड़ रही है।

घ. 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

3. पुल्लिंग 4. पुल्लिंग

5. स्त्रीलिंग 6. स्त्रीलिंग

7. स्त्रीलिंग 8. पुल्लिंग

ङ. **पुल्लिंग–** आम, ग्वाला, कवि, दूध, चूहा, खिलौना।

स्त्रीलिंग– पुस्तक, बिल्ली, अभिनेत्री, लड़की, मोरनी, शेरनी।

च. 1. ब. 2. ब.

3. ब.

छ. 2. बाघिन 3. दादी

4. पाठिका 5. गायिका

6. बंदर 7. देवता

8. गाय 9. सुनारिन

10. हंसिनी

7 वचन
[Number]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या में एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं।

2. वचन के दो भेद होते हैं– 1. एकवचन, 2. बहुवचन।

एकवचन– लड़का, पुस्तक।

बहुवचन– लड़के, पुस्तकें।

3. एकवचन और बहुवचन में मुख्य अंतर संख्या का है। **एकवचन** में, शब्द की एक संख्या का बोध होता है; जैसे– रात, चाल आदि। **बहुवचन** में, एक से अधिक संख्या बताने वाले शब्द होते हैं; जैसे– रातें, चालें आदि।

ख.

	एकवचन		बहुवचन
1.	रानी	–	रानियाँ
2.	तिथि	–	तिथियाँ
3.	विधि	–	विधियाँ
4.	बाला	–	बालाएँ

5. सभा – सभाएँ
6. माला – मालाएँ
7. कलम – कलमें
8. पुस्तक – पुस्तकें
9. केला – केले
10. लोटा – लोटे

ग. 1. लड़का, 2. भँवरे 3. रात
4. मछलियाँ 5. सड़कें।

घ. 1. ✓ 2. ✓
3. ✗ 4. ✓
5. ✗

ङ. 2. बहुवचन, 3. एकवचन,
4. एकवचन 5. एकवचन,
6. बहुवचन

च. 1. स. 2. अ. 3. स.
4. स.

क. 1. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या में एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं।
2. वचन के दो भेद होते हैं– 1. एकवचन, 2. बहुवचन।
एकवचन– लड़का, पुस्तक।
बहुवचन– लड़के, पुस्तकें।
3. एकवचन और बहुवचन में मुख्य अंतर संख्या का है। एकवचन में, शब्द की एक संख्या का बोध होता है; जैसे– रात, चाल आदि। बहुवचन में, एक से अधिक संख्या बताने वाले शब्द होते हैं; जैसे– रातें, चालें आदि।

ख. **एकवचन** **बहुवचन**
1. रानी – रानियाँ
2. तिथि – तिथियाँ
3. विधि – विधियाँ
4. बाला – बालाएँ
5. सभा – सभाएँ
6. माला – मालाएँ
7. कलम – कलमें
8. पुस्तक – पुस्तकें
9. केला – केले
10. लोटा – लोटे

ग. 1. लड़का, 2. भँवरे 3. रात
4. मछलियाँ 5. सड़कें।

घ. 1. ✓ 2. ✓
3. ✗ 4. ✓
5. ✗

ङ. 2. बहुवचन, 3. एकवचन,
4. एकवचन 5. एकवचन,
6. बहुवचन

च. 1. स. 2. अ.
3. स. 4. स.

8 सर्वनाम

[Pronoun]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द को सर्वनाम कहते हैं।
जैसे– मैं, हम, तुम आदि।
2. सर्वनाम के छह भेद होते हैं। पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक, निजवाचक।

ख. 1. मैं 2. कुछ
3. वह 4. कोई

ग. 1. तुम, 2. वह
3. कोई 4. जिसकी, उसकी
5. यह, मेरी

घ. 1. मैं पाठशाला जा रहा हूँ।

2. तुम कहाँ जा रहे हो?
3. वह अध्यापक है।
4. हम खेल रहे हैं।
5. कोई आ रहा है।

ङ. उनका, वे, उनको, उनको, उनके

च. 1. मैं 2. आप कौन
3. क्या वह 4. कोई
5. उसे कौन 6. वे उन्हें

छ. 2. पिता ने पुत्र से उसकी पुस्तक माँगी।
3. दादी ने रजनी से कहा– “वह मेरी बहन है।”
4. दिलीप ने अपना नाम बताया।
5. रागिनी ने कहा– “वह विद्यालय जाएगी।”

9 विशेषण
[Adjective]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
जैसे– अच्छा, बुरा, मीठा आदि।
2. विशेषण के चार भेद होते हैं– गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक और सार्वनामिक विशेषण।
3. विशेषण शब्द जिसकी विशेषता बताते हैं, उसे विशेष्य कहते हैं।
जैसे– नीला आकाश, सुंदर फूल आदि।

ख. 1. कड़वा 4. बुद्धिमान
2. खट्टा 5. काली
3. बहादुर 6. नीला

ग. 1. सफ़ेद 2. यह
3. मीठी 4. अच्छे
5. दयालु

घ.

	विशेषण	**विशेष्य**
2.	गुणवती	सेठ
3.	धनवान	मिठाई
4.	सुंदर	फूल
5.	स्वादिष्ट	स्त्री

ङ. 1. ✗ 2. ✓
3. ✗ 4. ✓
5. ✗

च. दयालु, कायर, गोल, मीठा, सुंदर, साँवला, हरा, अच्छा।

छ. पाँच उँगलियाँ, ठंडी कुल्फी, दो किलो चीनी, यह घर, काला घोड़ा।

ज. 1. अ. 2. स. 3. स.

झ.

गुणवाचक	**संख्यावाचक**
छोटा	तीन
चतुर	कुछ
लाल	दूसरा
परिमाणवाचक	**सार्वनामिक**
दो किलो	यह
एक लीटर	वह
दो मीटर	वे

10 क्रिया
[Verb]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. किसी काम का करना या होना क्रिया कहलाता है।
2. क्रिया के दो भेद होते हैं– 1. सकर्मक क्रिया 2. अकर्मक क्रिया।
3. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं; जैसे– लिख, पढ़, जा, बैठ आदि।

ख. 2. देती 3. तैरती
4. रेंगता 5. नाचता

ग. **क्रियापद**
2. लिख रही है।
3. बनाती हैं।
4. रोता है।
5. खाता है।

घ. 1. मैं प्रात:काल सैर पर जाता हूँ।
2. मैं स्नान करता हूँ।
3. मैं भगवान का स्मरण करता हूँ।
4. मैं नाश्ता करता हूँ।
5. उसके बाद मैं विद्यालय जाता हूँ।

ङ. 2. सकर्मक 3. सकर्मक
4. सकर्मक 5. सकर्मक

च. खेलना, भौंकना, चढ़ना, उड़ना, रेंगना, भिनभिनाना आदि।

11 काल
[Tense]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. क्रिया के जिस रूप से कार्य करने या होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।
2. काल तीन प्रकार के होते हैं–
1. भूतकाल, 2. वर्तमान काल,
3. भविष्यत् काल।

ख. 2. रही हैं 3. जाएँगे
4. गई 5. जाएगा।

ग. 2. भविष्यत् काल 3. वर्तमान काल
4. भूतकाल 5. भविष्यत् काल

घ. 1. अध्यापिका ने बच्चों को पढ़ाया।
2. रमेश आज आ रहा है।
3. राम अपना पाठ याद कर रहा है।
4. सीता कोलकाता जाएगी।

ङ. 1. ✓ 2. ✗
3. ✓ 4. ✗

च.

	मूल क्रिया	**भूतकाल**
2.	दौड़ना	दौड़ा
3.	सोना	सोया
4.	बहना	बहा
5.	रोना	रोया
6.	गिरना	गिरा

वर्तमान काल	**भविष्यत् काल**
दौड़ रहा है	दौड़ेगा
सो रहा है	सोएगा
बह रहा है	बहेगा
रो रहा है	रोएगा
गिर रहा है	गिरेगा

क. 1. क्रिया के जिस रूप से कार्य करने या होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।

2. काल तीन प्रकार के होते हैं–
1. भूतकाल, 2. वर्तमान काल,
3. भविष्यत् काल।

ख. 2. रही हैं 3. जाएँगे
4. गई 5. जाएगा।

ग. 2. भविष्यत् काल 3. वर्तमान काल
4. भूतकाल 5. भविष्यत् काल

घ. 1. अध्यापिका ने बच्चों को पढ़ाया।
2. रमेश आज आ रहा है।
3. राम अपना पाठ याद कर रहा है।
4. सीता कोलकाता जाएगी।

ङ. 1. ✓ 2. ✗
3. ✓ 4. ✗

च.

मूल क्रिया	**भूतकाल**
2. दौड़ना	दौड़ा
3. सोना	सोया
4. बहना	बहा
5. रोना	रोया
6. गिरना	गिरा

वर्तमान काल	**भविष्यत् काल**
दौड़ रहा है	दौड़ेगा
सो रहा है	सोएगा
बह रहा है	बहेगा
रो रहा है	रोएगा
गिर रहा है	गिरेगा

12 शब्द-भंडार
[Vocabulary]

(अभ्यास-उत्तर)

पर्यायवाची शब्द

क. 1. नभ गगन
2. देव सुर
3. भवन गृह
4. जलज नीरज
5. धरा भूमि

ख. 1. जलद 2. गृह
3. अग्नि

ग.

नदी	गिरि	नृप
तटिनी	नग	राजा
सरिता	पर्वत	नरेश

विलोम शब्द

क. 1. लाभ 4. दुख
2. पराया 5. देना
3. अस्त 6. दुर्जन

ख. 2. सत्य 3. शिक्षित
4. झूठ 5. श्याम

ग. 1. मृत्यु 2. उत्तर
3. अस्त 4. सरल
5. निराशा।

घ. अशुभ लाभ
अंधकार निर्दय
अशुद्ध

ङ. 1. दुख 2. अवगुण
3. अपमान 4. निर्बल
5. भयभीत

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

क. 1. अनंत 2. वाचाल 3. आस्तिक
4. अग्रज 5. मूक

ख. 1. साथ पढ़ने वाला
2. शाक खाने वाला
3. जहाँ प्रजा का शासन हो
4. ईश्वर को न मानने वाला
5. काम से जी चुराने वाला

अनेकार्थी शब्द

क. 1. माला
पराजय
2. एक दिशा
जवाब

ख. 1. राय 2. समय
3. धन 4. किरण
5. माला

ग. 1. केश बच्चा
2 हाथ किरण
3. वस्त्र किवाड़
4. धन मतलब
5. प्रहार दिन

13 विराम-चिह्न
[Punctuation]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. अरे! तुम कब आ गए।
2. शशि कहाँ चली गई?
3. शाबाश! जीते रहो।
4. मैं खाना खा रहा हूँ।
5. मुझे पेंसिल, पुस्तक तथा किताब चाहिए।

ख. 1. पूर्ण विराम।
2. प्रश्नवाचक
3. अल्पविराम
4. विस्मयादिबोधक

ग. 1. प्रश्नवाचक 2. पूर्णविराम
3. विस्मयादिबोधक 4. अल्पविराम

घ. 1. अ. 2. ब.

ङ. विद्यार्थी स्वयं करें।

14 अशुद्धि-शोधन
[Error Correction]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. मृत्यु 2. चिड़िया
3. गृहकार्य 4. दयालु
5. प्राण 6. आसान
7. नीरोग 8. स्नेह
9. बीमारी 10. त्योहार
11. दूध 12. उज्ज्वल
13. क्षमा 14. मेहमान
15. नारी 16. प्रिय

ख. महीला ✗ परीक्षा ✓
सिमा ✗ आयू ✗
रीषि ✗ स्वर्ग ✓
नराज ✗ दिवार ✗
पवित्र ✓ दूसरी ✓
मृत्यु ✓ मनदिर ✗
माँ ✓ राजू ✓
नाहाना ✗

ग. 1. परीक्षा 2. तीव्र
3. किताब 4. समग्र

5. दीपावली

घ 1. मुझे तैरना नहीं आता।
2. वह अपना काम करता है।
3. गाड़ी समय से आएगी।
4. राम मेरा भाई है।
5. उसका भाई अच्छा है।

15 मुहावरे
[Idioms]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. जो वाक्यांश अपने शाब्दिक अर्थ का बोध न कराकर विशेष अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें मुहावरा कहते हैं।
2. मुहावरे के प्रयोग से भाषा सुंदर, प्रभ. ावशाली तथा सजीव हो उठती है।

ख. 1. गुड़-गोबर करना (काम बिगाड़ देना)
वाक्य में प्रयोग – मैंने बड़ी मुश्किल से उसे इस काम के लिए तैयार किया था, लेकिन तुमने आकर सारा गुड़-गोबर कर दिया।
2. ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना)
वाक्य में प्रयोग – मोहन, तुम तो कभी दिखाई ही नहीं देते, ऐसा लगता है कि तुम ईद के चाँद हो गए हो।
3. अँगूठा दिखाना (साफ़ मना कर देना)
वाक्य में प्रयोग – मैंने जब राकेश से अपने पैसे माँगे तो उसने अँगूठा दिखा दिया।

ग. 1. बहुत थक जाना 2. मूर्ख व्यक्ति
3. बहुत प्यारा 4. हमला कर देना
5. बहुत तेज़ दौड़ना

घ. 1. ✗ 2. ✓
3. ✗ 4. ✓
5. ✗

ङ.

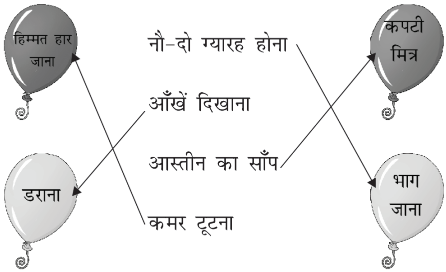

च. 1. <u>नानी</u> याद आना
= मुश्किल महसूस करना।
2. आँखों में <u>धूल</u> झोंकना
= धोखा देना।
3. ईंट का जवाब <u>पत्थर</u> से देना
= जबरदस्त बदला लेना।
4. अपने <u>मुँह</u> मियाँ मिट्ठू बनना
= स्वयं अपनी प्रशंसा करना।
5. दाँतों तले <u>उँगली</u> दबाना
= आश्चर्यचकित होना।

16 अपठित गद्यांश
[Unseen Passages]

(अभ्यास-उत्तर)

1. क. विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व है।
   ख. मन को केंद्रित करना और शिक्षण संस्था के नियम पर चलना। इन दोनों बातों की ओर विद्यार्थियों को ध्यान देना चाहिए।
   ग. विद्यार्थियों के मन को केंद्रित रखने के लिए अनुशासन की आवश्यकता होती है।
   घ. मृत्यु, अज्ञान, असफलता
   ङ. अनुशासन
2. क. अजय और विजय।
   ख. विजय झगड़ालू और गुस्सैल था।
   ग. अजय आज्ञाकारी और सुशील था।
   घ. अजय अच्छा लगा क्योंकि प्रजा उसे पसंद करती थी।
   ङ. विजय को अपनी बुराइयों के कारण अपमान सहना पड़ा।
3. क. माँ ने चावल साफ़ करने की थाली और सब्ज़ियाँ छत पर रखी थीं।
   ख. छत पर मैं, छोटी बहन और माँ बैठे थे।
   ग. बंदरों ने चावल की थाली उलट दी और सब्ज़ियाँ इधर-उधर बिखेर दीं।
   घ. नौ दो ग्यारह होना।
   ङ. शरारती बंदर।

17 पत्र-लेखन
[Letter Writing]

(अभ्यास-उत्तर)

1. चाचा जी द्वारा जन्म दिन पर भेजी गई घड़ी के लिए धन्यवाद-पत्र

A-63, रेलवे कॉलोनी
खुर्जा
दिनांक : 10 दिसंबर, 20XX
आदरणीय चाचा जी
सादर प्रणाम

मैं यहाँ पर कुशलपूर्वक हूँ। आशा है, आप भी कुशल होंगे। चाचा जी आपके द्वारा भेजी गई घड़ी मुझे बेहद ही पसंद आई है। मुझे घड़ी की आवश्यकता भी है। आपने मेरे जन्मदिन पर घड़ी रूपी उपहार भेजकर इस इच्छा को पूरा कर दिया। इसके लिए मैं बार-बार धन्यवाद करता हूँ। चाची जी को प्रणाम कहिएगा तथा मंटु तथा चिंटू को प्यार।

पत्र की आशा में
आपका भतीजा
क. ख. ग.

निर्देश–विद्यार्थी लिफ़ाफ़ा बनाकर पूरा पता लिखेंगे।

2. **गायन**–प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने की सूचना देते हुए दादा जी को पत्र।

G-37, श्रीनिवासपुरी

नई दिल्ली-110065

दिनांक : 12 दिसंबर, 20XX

आदरणीय दादा जी

चरणस्पर्श प्रणाम

दादा जी आपका पत्र मिला। पत्र को पढ़कर मुझे बेहद खुशी हुई। दादा जी आपको यह जानकर खुशी होगी कि इस वर्ष विद्यालय की गायन-प्रतियोगिता में मुझे प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस प्रतियोगिता में अनेक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। आपके आशीर्वाद से ही मैं प्रथम स्थान प्राप्त कर सका। दादी जी का स्वास्थ्य के बारे में लिखिएगा। घर में सभी ठीक हैं।

पत्र की आशा में

आपका पोता

क. ख. ग.

3. विद्यालय क्रिकेट टीम में खेलने की अनुमति माँगने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र।

सेवा में

प्रधानाचार्य

दिल्ली पब्लिक स्कूल

मथुरा रोड़-110003

नई दिल्ली

विषय–क्रिकेट टीम में खेलने की अनुमति माँगने हेतु पत्र।

महोदय

महोदय निवेदन है कि मैं (विनोद शर्मा) कक्षा 'चौथी', सेक्शन 'सी' का विद्यार्थी हूँ। इस बार हमारे विद्यालय में ही क्रिकेट खेला जा रहा है। इसमें दूसरे विद्यालय के क्रिकेट खिलाड़ी आ रहे हैं। महोदय, मैं आपसे क्रिकेट टीम में खेलने की अनुमति चाहता हूँ तथा विश्वास दिलाता हूँ कि इससे मेरी पढ़ाई में कोई भी व्यवधान नहीं आएगा। कृपा करके मुझे खेलने की अनुमति देकर मेरी इस कामना को पूर्ण कीजिए।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

विनोद शर्मा

कक्षा-4

सेक्शन-C

दिनांक : 14 दिसंबर, 20XX

18 अनुच्छेद-लेखन

[Paragraph Writing]

(अभ्यास-उत्तर)

विद्यार्थी स्वयं करें।

19 निबंधा-लेखन

[Essay Writing]

(अभ्यास-उत्तर)

विद्यार्थी स्वयं करें।

20

चित्र-वर्णन

[Picture Description]

(अभ्यास-उत्तर)

विद्यार्थी स्वयं करें।